BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

मैथिली पत्र-पत्रिकाक विकास

डा.अरविन्द कुमार सिंह झा

अध्यक्ष, स्नातकोत्तरसहित मैथिली विभाग;

राम कृष्ण महाविद्यालय, मधुबनी

पत्र-पत्रिका कोनहुँ जीवन्त साहित्यक रीढ़ मानल गेल अछि। एकर माध्यमसँ जतय एक दिस सामाजिक चेतना,राजनीतिक गतिविधि एवं आर्थिक उत्थान-पतनक मूल्यांकन भेल रहैछ ; ओतहि दोसर दिस कोनहुँ भाषाक लेल एकर योगदान अद्वितीय कहल गेल अछि । ई तत्कालीन समयक दर्पण तथा वर्तमान आ' भविष्यक मार्ग-प्रदर्शक होइत अछि। अपन-अपन कृतिकेँ पाठकक समक्ष पुस्तकाकार प्रकाशित करब एक समस्या बनि गेल अछि, तें एकरो समाधान पत्रिका द्वारा भ' जाइत छैक। एकरा जन-मानसक प्रतिबिम्ब आ' जन चेतनाक उत्प्रेरक कहल जाइछ। वास्तवमे जाहि भाषा साहित्यक पत्र-पत्रिका जतेक सुदृढ़ ओ विकसित रहैत अछि,से साहित्य ततेक सबल रहैछ।

मैथिली साहित्यक विकासमे पत्र-पत्रिकाक योगदान आधुनिक युगक देन थिक। मैथिली पत्रकारिता एक सय उन्नैस वर्षसँ यात्रापर अछि आ' दिनानुदिन विकसित होइत आबि रहल अछि। पहिल मैथिली पत्रिका मिथिलेतर क्षेत्रसँ 1905 ई.मे प्रकाशित भेल,जकर नाम 'मैथिल हित साधन' रहय।पण्डित चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' साहित्य अकादेमीसँ पुरस्कृत पोथी 'मैथिली पत्रकारिताक इतिहास'मे आरम्भसँ लय 1979 ई.धरिक पचहत्तरि वर्षमे कुल सतासी गोट पत्रिकाक उल्लेख कयने छथि।[1] पुन: मैथिली अकादमी पत्रिकाक जनवरी, 1989क अंकमे 'मैथिली पत्रकारिताक इतिहास : अधुनातन सन्दर्भमे' नामक निबन्धमे 'अमर' द्वारा 1980 सँ '88 ई. धरिक नओ वर्षमे छब्बीस गोट नव प्रकाशित पत्र-पत्रिकाक सूचनात्मक विवरण प्रस्तुत भेल। मैथिलीक यशस्वी सम्पादक शरदिन्दु चौधरी 'मैथिली पत्रकारिता दशा ओ दिशा'क सम्पादन- क्रममे 2006 ई.धरि एक सय चालीससँ बेसी पत्र-पत्रिकाक चर्चा कयने छथि।[2] एकर बाद तीस-चालीस गोट नव पत्रिका हमर दृष्टिपथपर आयल अछि। तेँ मैथिली साहित्यक विकासमे लगभग दू सय पत्र-पत्रिकाक योगदान मानि सकैत छी। एतेक पत्रिकाक प्रकाशन होइतहुँ अधिकांश पत्र-पत्रिका जन्म लैत अकालहि काल कवलित होइत इतिहासक परम्परा जोड़ैत आबि रहल अछि। तथापि अल्पजीवी पत्रिको मैथिली साहित्यक श्रीवृद्धि करबाक लेल अपना भरि अथक प्रयास कयलक।

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

मैथिलीक प्रथम पत्रिका 'मैथिल हित साधन' थिक,जे जयपुरसँ 1905 ई.मे मासिक रूपेँ विद्यावाचस्पति मधुसूदन झा आ' प.रामभद्र झाक सम्पादनमे प्रारम्भ भेल। एहिमे दर्शन, व्याकरण,गणित,भूगोल,स्वास्थ्य आदि विषयक निबन्ध सेहो प्रकाशित होइत छल। ई पत्रिका अपन आभासँ मैथिली भाषाक सम्बर्द्धन करैत मात्र तीन-चारि सालमे समाप्त भ' गेल, तथापि अपन साहित्यिक ओ सांस्कृतिक दृष्टिकोणक कारणे महत्त्वपूर्ण स्थानक भागी बनैत मैथिली पत्र-पत्रिकाक-श्रीगणेश कयलक।

काशीक विद्वज्जन समितिक सहयोगसँ मासिक पत्रिका 'मिथिला मोद'क प्रकाशन 1905 ई.मे प्रारम्भ भेल। एकर सम्पादन-कार्य म.म.मुरलीधर झा कयलनि,मुदा सम्पादकक रूपमे हिनक नाम पत्रिकामे प्रकाशित नहि भेल अछि। एकर प्रकाशन 1941ई. धरि भेल,मुदा बीचमे '27 ई.सँ '36 ई.धरि बहार नहि भ' सकल। तत्कालीन समाजक दुःव्यवस्थाकेँ दूर करबाक लेल एवं मिथिला ओ मैथिलीक उन्नतिक दिशामे समाजकेँ जागरूक बनयबामे एकर योगदान स्तुत्य अछि। मैथिली कथा-साहित्यक सूत्रपात एही पत्रिकासँ भेल। हिन्दी-साहित्यमे जे स्थान 'सरस्वती' पत्रिकाकेँ छैक,सएह स्थान मैथिलीमे 'मिथिला मोद'केँ प्राप्त भेल। प.बबुआजी मिश्र,प.अनूप मिश्र,प.सीताराम झा,म.म.डा.सर गङ्गानाथ झा,डा.अमरनाथ झा, त्रिलोचन झा,प.दीनबन्धु झा,बुद्धिधारी सिंह 'रमाकर',रामचन्द्र मिश्र,कुशेश्वर कुमर,ज्यो.बलदेव मिश्र,म.म.डा.उमेश मिश्र,रघुनन्दन दास,'किरण'आदि विद्वान् एकर प्रमुख लेखक रहथि।'मिथिला मोद'क माध्यमसँ 'मिथिला भाषा विचार,'अर्जुन तपस्या','मैथिली साहित्य दिग्दर्शन'(यदुनाथ झा 'यदुवर'),मिथिलाक इतिहास'(इन्द्रपति सिंह),'मैथिलोत्तेजना पारावार'(पं.बुद्धिनाथ झा), 'शिक्षा सरोज'(कुशेश्वर कुमर), नलोपाख्यान'(म.म.उमेश मिश्र),'उत्तर रामचरित'(मुंशी रघुनन्दन दास)आदि तीन दर्जनसँ बेसी विशिष्ट ग्रंथरत्न प्रकाशित भेल। एकर पुनर्प्रकाशन 2016 ई.सँ भ' रहल अछि,वार्षिक पत्रिकाक रूपमे। मैथिल समाज, बनारस द्वारा प्रकाशित एकर सम्पादक डा.विनीत कुमार लाल दास छथि। पचहत्तरि वर्षक बाद एहि पत्रिकाक पुनर्प्रकाशन प्रशंसनीय प्रयास थिक।

मैथिली पत्रिका मध्य एक अखण्ड आलोकपुञ्ज लय मिथिलेश रामेश्वर सिंहक संरक्षकतामे मासिक 'मिथिला मिहिर' 1909 ई.मे मकर संक्रान्ति दिन दरभंगासँ प्रकाशित भेल। पण्डित विष्णुकान्त झा शास्त्रीकेँ एकर पहिल सम्पादक बनबाक गौरव भेटलनि। एहिमे पहिने हिन्दी आ' अंग्रेजीक अपेक्षा मैथिलीक रचना कम छपैत छल,पछाति विशुद्ध मैथिलीक रचना छापय लागल। म.म.परमेश्वर झा, पं.जनार्दन झा 'जनसीदन', आचार्य सुरेन्द्र झा 'सुमन', सुधीशु 'शेखर' चौधरी, डा. गोकुलनाथ झा आदि एहि पत्रिकाक

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

सम्पादन-कार्य कालक्रमे करैत रहलाह। 1अप्रैल,1911 सँ 'मिहिर' साप्ताहिक भ' गेल आ' 13 नवम्बर,'54क बाद किछु वर्षक लेल विश्राम कयलक। 'सुमन'क सम्पादनमे एकर विशालकाय विशेषांकक रूपमे 1936 ई.मे वसन्त पञ्चमीक अवसरपर 'मिथिलांक' प्रकाशित भेल,जे पत्रकारिताक इतिहासमे एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि थिक। डा.जयकान्त मिश्र एकरा मैथिलीक 'स्टोर हाउस' मानने छथि। पुन: 11 सितम्बर,1960 सँ 'मिथिला मिहिर' पटनासँ साप्ताहिक रूपेँ सुधांशु 'शेखर' चौधरीक कुशल सम्पादनमे छपय लागल, जे 5 फरवरी,1984क अंक धरि साप्ताहिक रूपेँ बहार भेल। साप्ताहिक प्रकाशनक अभ्यन्तर 'मिहिर' 22 गोट उपन्यासकारक 31उपन्यास,8 गोट नाटककारक 13 नाटक,60 गोट एकांकीकारक 100 एकांकी,663 गोट कविवरक 4695 कविता एवं 626 कथाकारक 3177 कथा प्रकाशित कय मैथिली साहित्यक रिक्त भण्डारकेँ भरलक।[3] 20 फरवरी, '84 सँ ई दैनिक समाचार पत्र भ' गेल जे 15 मइ,1986 धरि दैनिक रूपमे बहार भेल। दैनिक प्रकाशनक समय मिथिलांचलक समसामयिक समस्या सभकेँ क्रमानुसार रेखांकित करबामे ई सफल भेल। रवि आ' बृहस्पतिकेँ अतिरिक्त चारि पृष्ठ संग्रहणीय सामग्रीसँ भरल रहैत छल। पुन: दस मास धरि 'मिहिर' बन्द रहि,मार्च (दोसर पक्ष), '87 सँ शम्भुनाथ झाक प्रधान सम्पादकत्त्वमे एकर पाक्षिक प्रकाशन प्रारम्भ भेल। जनवरी,'88 सँ जून,'88 धरि एकर प्रकाशन: पुन: स्थगित रहल आ' अगस्त,'88 सँ मासिक बनि गेल,जे क्रम मार्च,'89 धरि रहल। एकर बाद 'मिहिर'क अन्तिम अंक नवम्बर, 1989मे 'किरण' स्मृति अंकक रूपमे प्रकाशित भेल।

'मिहिर' वर्तमान मैथिली आन्दोलनक अगुआ बनल, मैथिलीकेँ उचित स्थान प्राप्त करयबाक दिशामे एवं मिथिला क्षेत्रक विकासक लेल मैथिली भाषा-भाषीक मुखर पत्रिका बनि गेल। नवीन पीढ़ीक लेखक तैयार करबामे एकर अभूतपूर्व योगदान अछि आ' एकर प्रकाशनक बिनु कतेको लेखक अन्धकारक गर्तमे पड़ल रहितथि। एकर कथा अंक,लघु कथा अंक,उपन्यास अंक, एकांकी अंक,सत्यकथा अंक,होलिकांक, विद्यापति स्मृति अंक आदि समय-समयपर प्रकाशित भेल,जे मैथिली साहित्यक अमूल्य निधि थिक। 'मिथिला मिहिर' भाषा-वर्तनीक स्वरूपकेँ स्थिर कय एकरूपता अनबाक प्रयास कयलक; जकर शैली-निर्धारणमे श्रीकान्त ठाकुर 'विद्यालंकार',सुधांशु 'शेखर' चौधरी,सुरेन्द्र झा 'सुमन',हरिमोहन झा,गिरीन्द्र मोहन मिश्र आदिक योगदान प्रशंसनीय छल। 'मिथिला मिहिर' जे मानक रूप ग्रहण कयने रहय,तकरा यदि परवर्ती सम्पादकलोकनि सेहो ग्रहण करितथि,तँ एकर स्वरूप आब निश्चित रूपेँ स्थिर भ' गेल रहितय।

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

प.रामचन्द्र मिश्र 'चन्द्र' अजमेर ओ आगरासँ क्रमश: अगस्त 1920 सँ दिसम्बर,'24 एवं 1925 ई.सँ 26 ई.धरि मासिक रूपेँ 'मैथिल प्रभा' प्रकाशित कयलनि।एहिसँ प्रवासी मैथिल लोकनिमे मैथिलत्त्वक अभिमान जागृत भेल। पुन: अक्टूबर,'28मे अलीगढ़सँ 'मिथिला प्रभाकर' मासिक पत्रिकाक सम्पादन कयलनि,जे पन्द्रह मास धरि चलि सकल। दरभंगासँ 1925 ई.मे 'श्री मैथिली 'मासिक शुरू भेल,उदित नारायण दास एवं नन्द किशोर लाल दासक संयुक्त सम्पादनमे। ई पहिल पत्रिका छल जे हिन्दीसँ मुक्त भ' विशुद्ध मैथिली भाषामे प्रकाशित भेल। मैथिली भाषाक विकास लेल ई पत्रिका समय-समयपर उद्बोधनात्मक लेख सेहो प्रकाशित कयलक। अप्रील,'29मे पं.कुशेश्वर कुमर आ' बाबू भोलालाल दासक संयुक्त सम्पादनमे लहेरियासरायसँ 'मिथिला' नामक पत्रिका बहार भेल,जे पाँच वर्ष धरि प्रकाशित भेल। मैथिली पत्रकारितामे ई मोड़ अनलक आ भाषाक दृष्टिएँ प्रगतिशीलता परिलक्षित भेल।नरेन्द्रनाथ दास,काली कुमार दास,हरिमोहन झा आदि सर्वप्रथम एही पत्रिकाक माध्यमसँ प्रकाशमे आयल रहथि। 'मैथिल बन्धु' '35 ई.मे अजमेरसँ प्रारम्भ भेल,जे 1957 ई. धरि किछु समयक लेल रुकैत आ' पुन: 1977-'78 ई.मे प्रकाशित भेल। रघुनाथ प्रसाद मिश्र 'पुरोहित' आ' बाबू लक्ष्मीपति सिंह एकर सम्पादक रहथि।

नव शिक्षित विद्वानक समन्वित सहयोगसँ '37 ई.मे दरभंगासँ त्रैमासिक आचार्य रमानाथ झाक सम्पादनमे 'मैथिली साहित्य पत्र'क प्रकाशन प्रारम्भ भेल। ओना तँ ई किछुए अंक प्रकाशित भ' '39 ई.मे बन्द भेल,मुदा प्रकाशनक अल्पावधिएमे साहित्यिक कृतिक प्रकाशन कय गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त कयलक। 'श्रृंगार भजनावली', 'उषाहरण'(रत्नपाणि),चीनीक लड्डू', 'शकुन्तला', 'एकावली-परिणय, 'कीचक वध', 'बेकफिल्डक पादरी' आदि ग्रंथकेँ सर्वप्रथम प्रकाशित करबाक श्रेय एकरहि छैक। एकर माध्यमसँ मैथिलीमे लेखन-शैलीकेँ स्थापित करबाक प्रयास भेल। मैथिली साहित्य परिषद्क संरक्षणमे बाबू भोलालाल दासक सम्पादनमे 1937 ई.क वसन्त पंचमी दिन 'भारती' मासिक पत्रिकाक प्रकाशन दरभंगासँ प्रारम्भ भेल। एहिमे समीक्षात्मक निबन्ध ओ यात्रा-विवरण बेसी छपैत छल। मैथिली आन्दोलनकेँ अग्रसारित करबामे एकर पूर्ण श्रेय छैक। एकर आयु मात्र एक वर्ष रहि सकल।

भवनाथ शर्मा साहित्यालंकारक नामसँ बाबू भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'क कुशल सम्पादनमे मुजफ्फरपुरसँ मार्च, '37मे 'विभूति' मासिकक उदय भेल आ' अगिला साल सभ दिनक लेल मिझा गेल।अपन क्रान्तिकारी ओ प्रगतिशील विचारधाराक कारणे ई बड़ लोकप्रिय सिद्ध भेल,संगहि नवीनताक दृष्टिएँ एकर प्रकाशन महत्त्वपूर्ण रहय। अगस्त,'48मे नेहरा (दरभंगा)सँ 'पल्लव' मासिक पत्रिका प्रकाशित

भेल,जकर प्रधान सम्पादक वीरेन्द्र कुमार चौधरी रहथि। ग्रामीण क्षेत्रसँ पत्रिका प्रकाशित होयबाक पहिल सौभाग्य एकरहि प्राप्त छैक आ' ई नवीन लेखककेँ विशेष प्रश्रय देलक। प्रवेशांक प्रकाशित कय 'पल्लव' ठमकि गेल; पछाति एकर जे अंकसभ प्रकाशित भेल, ताहिमे मास आ' वर्षक उल्लेख नहि रहय। मार्च, '58 धरि एकर अस्तित्व रहल। 1949 ई.मे बाल मासिक 'बटुक' प्रयागसँ प्रारम्भ भेल,जे लघु आकारमे रहितहुँ सुधाकान्त मिश्रक सम्पादनमे अत्यधिक चर्चित रहल।

26जनवरी,1950केँ, जहियासँ भारतीय संविधान कार्यान्वित भेल; जानकीक जन्मभूमि सीतामढ़ीसँ पाक्षिक 'वैदेही'क प्रकाशन कृष्णकान्त मिश्र कयलनि। छओ अंकक बाद 1 मइ '50 सँ ई दरभंगासँ छपय लागल। 15 अगस्त सँ 1 नवम्बर, '50 धरि ई नहि बहार भेल आ' तकर बाद अबेर-सबेर '52 ई.धरि छपैत रहल। 1953 ई.सँ ई मासिक भ' गेल आ' तखन प्रो.सुरेन्द्र झा 'सुमन',सुधांशु 'शेखर' चौधरी ओ प्रो.कृष्णकान्त मिश्रक संयुक्त सम्पादनमे छपय लागल। किछु अंकमे प. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' आ' 'सोमदेव' कार्य सम्पादित कयल। एकर प्रकाशन '73 ई. क बादसँ बन्द भ' गेल,पुन: जुलाइ, '88सँ किछु वर्ष धरि छपैत रहल,जखन रमानन्द रेणु आ' 'हंसराज'क सम्पादन सहयोग सेहो भेटल। एकर कथा,एकांकी, आलोचना,मैथिली आन्दोलन,चन्दा झा आदि विशेषांक संग्रहणीय सिद्ध भेल। 'वैदेही' द्वारा मैथिली कथा आ' कथाकारक जे स्वरूप प्रकाशमे आयल,से कथा-साहित्यक न्योंक काज कयलक; जाहिपर वर्तमान मैथिली कथा-महल स्थिर अछि। 'ललित','राजकमल',उग्रानन्द,मायानन्द मिश्र,प्रभास कुमार चौधरी,रामदेव झा,हंसराज, सोमदेव,राजमोहन झा,रमानन्द रेणु आदि एही पत्रिकाक माध्यमे मैथिलीमे सुप्रतिष्ठित भेलाह। 'वैदेही' द्वारा प्रकाशित विशेषांक 'समकालीन मैथिली कथाक मूल्यांकन (जनवरी,1989) संग्रहणीय मानल जाइछ।

प्रो. प्रबोध नारायण सिंह आ' डा.अणिमा सिंह कोलकातासँ जनवरी, '53 मे मासिक 'मिथिला दर्शन' प्रकाशित कयलनि,जे कतेको बेर बन्द होइत पुन: प्रकाशित भेल। 1973 ई.सँ ई पत्रिका 'मैथिली दर्शन' नामेँ छपैत छल,जकर मूल उद्देश्य मिथिला,मैथिल ओ मैथिलीक उचित अधिकार लेल संघर्ष करब रहय। पछाति 'मिथिला दर्शन'क प्रधान सम्पादक 'नचिकेता' भेलाह,मुदा नवम्बर-दिसम्बर, '21 क अंक प्रकाशित कय एकरो प्रकाशन एखन बन्द कय देल गेल। एकर 'साहित्य विशेषांक'(नवम्बर,'13) बड़ उपयोगी रहय। जनवरी, '57 सँ 'घीया-पूता' नामक बाल मासिकक प्रकाशन लोहना (मधुबनी)सँ भेल,जकर सम्पादक डा.'धीरेन्द्र' रहथि। '60 ई.धरि ई प्रकाशित भेल,मुदा नियमित रूपेँ कोनहुँ अंक नहि छपि सकल।

एहिमे प्रकाशित अधिकांश रचना धीया-पूता योग्य होइत छल। डा.मायानन्द मिश्रक सम्पादनमे साहित्यिक मासिक पत्रिका 'अभिब्यंजना' पटनासँ प्रकाशित भेल,जे 1960 'सँ '63 ई.धरि छपि सकल। कीर्तनिञा नाटकपर एहि पत्रिकामे विस्तृत चर्चा भेल,जकर लेखक आचार्य रमानाथ झा आ' डा.जयकान्त मिश्र रहथि।'63 ई. सँ पटनामे डा.आनन्द मिश्रक सम्पादनमे 'अभियान' त्रैमासिक पत्रिकाक प्रकाशन प्रारम्भ भेल,जे मात्र दू अंक धरि छपि सकल। जमशेदपुरसँ '69 ई.मे त्रैमासिक पत्रिका 'मिथिला भूमि' प्रकाशित भेल,जे पाँच वर्ष धरि प्रभाकर मिश्रक सम्पादनमे बहार भेल।

मैथिली साहित्य संस्थान,पटनाक सौजन्यसँ त्रैमासिक शोधपत्रिका 'मिथिला-भारती'क प्रकाशन '69 ई.मे भेल,जे मात्र दू साल छपि सकल।एकर मुख्य सम्पादक डा.जगदीशचन्द्र झा ओ प्रबन्ध सम्पादक पं.राजेश्वर झा रहथि। आचार्य रमानाथ झा कहने छथि जे मैथिलीमे एहि उच्च स्तरक ई प्रथमे पत्रिका थिक। ई 2014 ई.सँ पुन: छपि रहल अछि,डा.शिव कुमार मिश्र आ' भैरवलाल दासक कुशल सम्पादनमे। इतिहास,संस्कृति एवं परम्परा,पुरातत्त्व, कला,कलाकृति,भाषा,साहित्य,लिपि आदि विषयक शोध आलेख एहिमे रहैत अछि। गुणवत्ताक दृष्टिएँ ई महत्त्वपूर्ण ओ संग्रहणीय पत्रिका थिक। मैथिली अकादमी,पटनाक तत्त्वावधानमे मइ,'79 सँ 'मिथिला भारती' पत्रिकाक द्वैमासिक प्रकाशन प्रारम्भ भेल,जकर प्रधान सम्पादक श्रीकान्त ठाकुर विद्यालंकार आ' सम्पादक उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' रहथि। एकर प्रकाशन मात्र तीन अंक (अक्टूबर, '79)धरि भेल,पछाति 1980 ई.सँ 'मैथिली अकादमी पत्रिका' नामेँ प्रकाशित होयब प्रारम्भ भेल,जे एखनहुँ अनियमित रूपेँ छपि रहल अछि। एकर आलेख उच्च कोटिक रहैत अछि।

प्रभास कुमार चौधरी आ' गंगेश गुंजनक संयुक्त सम्पादनमे पटनासँ 'कथा-दिशा' मासिक पत्रिकाक प्रकाशन अगस्त,'80सँ भेल,जे दिसम्बर,'82 धरि छपल। एकरा लिली रे,उग्रानन्द,नीरजा रेणु,उषा किरण खान,विभूति आनन्द, बिनोद बिहारी लाल सदृश मैथिलीक कृतविद्य कथाकारक रचना प्राप्त भेल छैक। पत्रकारिताक क्षेत्रमे एकर किरणोदयसँ सम्पूर्ण मैथिली-प्रदेश आह्लादित भ' जगमगा उठल,कथा-विषयक एकमात्र स्वतंत्र पत्रिका होयबाक कारणे। यद्यपि 'राजा पोखरि मे कतेक मछरी' एवं 'ठुमुकि बहू कमला' उपन्यास पहिने एहीमे प्रकाशित भेल। पछाति ई पत्रिका किछु वर्ष धरि 'अनामा' नामसँ छपि बन्द भ' गेल। त्रैमासिक रूपमे जनवरी,'81सँ कोलकातासँ 'कर्णामृत' प्रकाशित भेल,जकर सम्पादक अर्जुन लाल करण रहथि। पछाति राजनन्दन लाल दासक सम्पादनमे छपय लागल। एहिमे मुख्य रूपेँ मैथिलीक रचना रहैत छल,मुदा हिन्दीक लेल सेहो किछु पृष्ठ सुरक्षित रहय। विगत दू-तीन वर्षसँ एकरो प्रकाशन बन्द

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

भ' गेल 'माटि-पानि'अगस्त,'83सँ विनोद आ' विभूति आनन्दक सम्पादनमे पटनासँ मासिक रूपेँ बहार भेल,जे दिसम्बर '84 धरि प्रकाशित भ' सकल। ई पत्रिका एक अभिनव परिचय लेने आयल आ' किछुए मासमे चर्चित-प्रशंसित भ' गेल। 'अमर','किरण',जयकान्त मिश्र, आनन्द मिश्र,आरसी प्रसाद सिंह,सुभद्र झा,श्रीकान्त ठाकुर विद्यालंकार,बाबू साहेब चौधरी आदि चौदह व्यक्तिक संग कयल गेल साक्षात्कार एहि पत्रिकाकेँ विशेष महत्त्व प्रदान करैत अछि। अम्बिका मिश्र सहरसासँ 'कोसी कुसुम' द्वैमासिक पत्रिकाक प्रकाशन जनवरी,'84सँ प्रारम्भ कयलनि, जे संग्रहणीय सामग्रीसँ भरल रहैत छल। एकर 'लघु कथा विशेषांक' महत्त्वपूर्ण प्रमाणित भेल। मइ,'84सँ दरभंगासँ मासिक पत्रिका 'रचना'क सम्पादन कालीनाथ झा प्रारम्भ कयलनि, जे मात्र सात गोट अंक प्रकाशित भ' दिसम्बर, '84क बाद बन्द भेल । एकर 'रचना आ' रचनाकार' तथा 'मैथिली डायरी' स्तम्भ अत्यन्त उपयोगी छल। जनवरी,'89सँ एही सम्पादक द्वारा एकर त्रैमासिक प्रकाशन प्रारम्भ भेल,परन्तु दू अंक छपि पुन: बन्द भ' गेल। पछाति एकर सम्पादक विश्वनाथ भेलाह। रचनाक स्तरीयता ओ अनुसन्धानमूलक आलेख लेल ई पत्रिका प्रसिद्ध भेल।

डा.उदयनाथ झा 'अशोक' सरिसव-पाही (मधुबनी)सँ 'ज्ञानलोक' त्रैमासिकक सम्पादन प्रारम्भ कयलनि,जे मात्र सितम्बर,'84 आ' दिसम्बर,'84क अंक प्रकाशित भेल। एकर उद्देश्य नव- पुरान साहित्यकारकेँ एक मंचपर आनब रहैक। नवम्बर,'84सँ डा.कमला चौधरी त्रैमासिक पत्रिका 'स्वाती'क सम्पादन मुजफ्फरपुरसँ करैत रहथि,जकर मात्र चारिटा अंक बहार भ' सकल। एहिमे साहित्यिक ओ पारिवारिक रचना बेसी रहैत छल। 'हंसराज'क प्रधान सम्पादकत्त्वमे मासिक 'बसात'क प्रकाशन दरभंगासँ दिसम्बर,'85 मे भेल,जकर प्रकाशन मात्र चारि अंकक बाद अगस्त,'86सँ बन्द भ' गेल। मिथिलांचलक जन-जीवनक यथार्थ चित्र उपस्थित करब एकर मूल उद्देश्य छल।अन्यान्य भाषासँ कथा सभक अनुवाद तथा स्वास्थ्य ओ कृषि विषयक रचना मुख्य रूपेँ छपैत छल।

जनवरी, '86सँ मासिक 'हालचाल' पटनासँ प्रकाशित भेल। पहिल अंकमे सम्पादकक रूपमे गाण्डिवेश्वर नाम लिखल छैक। तत्पश्चात् एकर सम्पादक पहिने विनोद रहथि,पछाति उमापति भेलाह। फरबरी,'87क बाद एकर प्रकाशन स्थगित भ' गेल। एहिमे साहित्यिक रचना बेसी छपैत छल। महेन्द्र मलङिआ आ' उदयचन्द्र झा 'विनोद'अपन 'लोकवेद' लय प्रस्तुत भेलाह, अक्टूबर, '86मे।एकर मासिक प्रकाशन रहिका (मधुबनी)सँ भेल, जकर मात्र चारि अंक छपि सकल। एकर साज-सज्जा ओ विषय-वस्तु उत्कृष्ट छल। प्रकाशनक अल्पावधिएमे 'लोकवेद'अपन विलक्षणता ओ आकर्षणसँ प्रभावित कयलक।

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

'भाखा' मासिकक प्रकाशन विभूति आनन्दक सम्पादनमे पटनासँ फरवरी,'87मे भेल। जून-जुलाइ,'87क अंक 'महिला कथाकार अंक' रूपमे निकलल,जाहिमे नओ गोट महिला कथालेखिकाक कथा प्रकाशित भेल। आठ गोट अंक प्रकाशित कय [नवम्बर, ' 87 धरि] ई बन्द भ' गेल,पुन: मार्च,'88मे एकटा अंक निकलि सकल। पछाति सितम्बर,'88सँ 'भाखा' नव रूपमे छपय लागल,जखन एकर सम्पादक डॉ. जयकान्त मिश्र ओ संयुक्त सम्पादक पं. गोविन्द झा आ मोहन भारद्वाज भेलाह। अप्रैल,'89क बाद एकर प्रकाशन बन्द अछि।एहिमे स्थापित साहित्यकारक अतिरिक्त नवोदित रचनाकारकेँ सेहो प्रोत्साहित कयल जाइत छल।

प्रो.यमुनानन्द सिंह झाक सम्पादकत्त्वमे दिसम्बर '88सँ 'पुष्पांजलि' मासिकक प्रकाशन बैद्यनाथधामसँ प्रारम्भ भेल।सामाजिक,साहित्यिक,ऐतिहासिक ओ आलोचनात्मक निबन्धक प्रकाशनमे एकर महत्त्वपूर्ण भूमिका रहलैक अछि। एहि पत्रिकामे प्रकाशित आधासँ बेसी रचनाकार मैथिलीक कोनहुँ पत्रिकाक लेल पहिल खेप रचना लिखने छथि,जे एकर वैशिष्ट्य थिक।'पुष्पांजलि' नियमित रूपेँ कहियो नहि बहार भ' सकल,बेसी बेर संयुक्तांके रहल। तथापि मैथिली पत्रकारिताक इतिहासमे एकर विशिष्ट स्थान बनि चुकल अछि।

जनकपुर (नेपाल)सँ त्रैमासिक रूपेँ 'आँजुर' जनवरी,'89सँ प्रकाशित भ' रहल अछि,जकर सम्पादक राम भरोस कापड़ि 'भ्रमर' छथि। पछाति ई मासिक भ' गेल,मुदा नियमित रूपेँ नहि बहार भ' रहल अछि। एकर 'जन कविता अंक' महत्त्वपूर्ण अछि। नेपालसँ प्रकाशित पत्रिकामे 'फूलपात','इजोत','नवजागरण','मैथिली', 'अर्चना', 'गामघर','हिलकोर','वाणी','सनेस', 'दूबि धान', 'प्रभात','जनक', 'तिलकोर', 'सांस्कृतिकी', 'सम्भावना', 'पुछारि','सुरभि', 'भूमिजा', 'काव्य-चौपाड़ि', 'आकृति', 'नेपाल मैथिल समाज','आँगन','अप्पन मिथिला', 'मिथिलांजलि' आदि प्रमुख अछि। मैथिलीक पहिल हवाइ पत्रिका 'पल्लव' अन्तर्देशीय पत्र कार्ड पर छपैत छल,जे एक अभिनव प्रयोग रहय। धीरेन्द्र प्रेमर्षिक सम्पादनमे ई काठमाण्डूसँ बहार भेल।

जनवरी,'91सँ 'तीरभुक्ति' मासिक रूपेँ पटनासँ छपैत छल,जकर संयुक्त सम्पादक महेश झा,बटोही ठाकुर आ' वागेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव रहथि।एकर मुख्य पृष्ठपर लिखल ई पाँती 'ग्रामीण, आर्थिक एवं प्राकृतिक उन्नयनक मुख पत्र'- विशेष चरितार्थ कयलक।'कोसी कमला' मासिक रूपेँ जनवरी,'91सँ लहेरियासरायसँ बहार भेल,जकर सम्पादक त्रिलोकनाथ मल्लिक रहथि। मार्च,'91सँ सुपौलमे

अनियतकालीन पत्रिका 'संकल्प' पुनः बहार भेल,जकर सम्पादन महेन्द्र,केदार कानन आ' तारानन्द वियोगी कयलनि। सितम्बर,'91 मे 'पूर्वांचल' त्रैमासिक कथाविषयक पत्रिका दिल्लीसँ प्रकाशित भेल,जकर सम्पादक राधामाधव भारद्वाज एवं संजीव कुमार रहथि। सितम्बर (पहिल पक्ष),'91 सँ पटनामे 'भाखा टाइम्स' पाक्षिक समाचारपत्र कुमार शैलेन्द्रक सम्पादनमे प्रकाशित होइत छल। फरबरी,'92मे पटनासँ मोहन भारद्वाजक सम्पादनमे 'मैथिली आलोचना 'अनियतकालीन पत्रिका प्रकाशित भेल। पटनासँ आलोचनात्मक पत्रिका 'दृष्टि' विभूति आनन्दक सम्पादनमे बहार भेल,जे उत्तम कोटिक रहय।

'मिथिला परिक्रमा' मइ,'93सँ मासिक रूपेँ डा.शंकर कुमार झाक सम्पादनमे दरभंगासँ बहार भेल। 'सन्धान' अशोकक सम्पादनमे पटनासँ जनवरी '97मे शुरू भेल आ' 'आरम्भ' सेहो पटनासँ राजमोहन झा सम्पादित कयलनि। 'प्रवासी' त्रैमासिक इलाहाबादसँ प्रभास कुमार चौधरीक सम्पादनमे दिसम्बर '95मे शुरू भेल। पटनासँ नवम्बर '95मे 'मिथिला-दर्पण' मासिक प्रारम्भ भेल,सुनील सौरभक सम्पादनमे।अर्द्धवार्षिक शोधपत्रिका 'जिज्ञासा' जनवरी,'95 सँ पं.गोविन्द झाक सम्पादनमे राँटी (मधुबनी)सँ शुरू भेल,जे महत्त्वपूर्ण रहय।आनन्द मिश्र,गोविन्द झा, रामदेव झा,जीवानन्द ठाकुर,जयकान्त मिश्र,वेदनाथ झा,विश्वेश्वर मिश्र,हेतुकर झा आदि यशस्वी विद्वान् एहि शोध पत्रिकाक प्रमुख लेखक रहथि,मुदा किछुए वर्ष धरि एकर प्रकाशन भ' सकल। दिल्लीसँ युगल किशोर ठाकुरक सम्पादनमे 'मैथिल जन' जून,2000मे प्रकाशित होयब शुरू भेल,जे पाँच अंक धरि निकलि सकल। 'सूत्रधार' पाक्षिक पत्रिका मोहन यादवक सम्पादनमे सहरसासँ 2004 ई.मे निकलल ।

अनियतकालीन पत्रिका 'जखन तखन' लक्ष्मीसागर,दरभंगासँ वार्षिक रूपेँ 2005 ई.सँ प्रकाशित भ' रहल अछि। एकरा डा. भीमनाथ झाक संरक्षण प्राप्त छैक आ' विभूति आनन्द तथा प्रो.अशोक कुमार मेहताक सम्पादनमे छपि रहल अछि।एकर अधिकांश आलेख उच्चस्तरीय रहैछ। 'श्री मिथिला' कोलकातासँ महेन्द्र हजारीक सम्पादनमे प्रकाशित भ' रहल अछि, जकर अक्टूबर,'17क अंकमे पत्रिकाक पन्द्रहम वर्ष आ' दोसर अंक लिखल छैक। विपिन बादलक सम्पादनमे दिल्लीसँ मासिक रूपेँ 2001 ई.मे 'मैथिली टाइम्स' प्रकाशित भेल। त्रैमासिक 'आकांक्षा'क सम्पादक डा.धीरेन्द्रनाथ मिश्र रहथि,जे दरभंगासँ जनवरी, 2000मे एकरा प्रकाशित कयलनि। लगभग दू वर्ष धरि एकरो प्रकाशन भ' सकल। 'पूर्वोत्तर मैथिल' सत्यानन्द पाठकक सम्पादनमे त्रैमासिक रूपेँ गुवाहाटीसँ शुरू भेल। मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समितिक एहि पत्रिकाक गेट-अप,मेक-अप अत्यधिक आकर्षक अछि।एखन एकर सम्पादक प्रेमकान्त

चौधरी छथि। 'मिथिला दर्पण' नामेँ एक आओर पत्रिका बहार भेल,मुम्बइसँ। ई द्वैमासिक रूपेँ डा. धीरेन्द्रनाथ मिश्रक सम्पादनमे 2006 ई. सँ बहार भेल,जे मिथिलाक संस्कृतिक आत्मप्रकाश मानल जाइछ। 'समय- साल' द्वैमासिक पत्रिका 2000 ई.सँ शेखर प्रकाशन,पटनासँ शरदिन्दु चौधरीक सम्पादनमे प्रकाशित भेल।

'घर बाहर' त्रैमासिक पटनासँ 2001 ई.मे शुरू भेल,जकर सम्पादक डा.बासुकीनाथ झा रहथि। अक्टूबर-दिसम्बर,'16क अंकसँ डा. रमानन्द झा 'रमण' सम्पादक छथि। गुणवत्ता ओ लोकप्रियताक दृष्टिएँ ई पत्रिका सर्वाधिक प्रशंसित अछि। मूल्य अत्यल्प रहबाक कारणे सामान्य पाठक सेहो एकरा किनैत छथि। मैथिलीक अद्यतन साहित्यिक गतिविधिसँ परिचित होयबाक लेल 'घर बाहर'क प्रसिद्धि अक्षुण्ण अछि। 'मैथिली दर्पण' मासिक पत्रिका 2014 ई.सँ कृष्ण कुमार झा 'अन्वेषक'क सम्पादनमे मुम्बइसँ प्रकाशित भेल। 'भारती-मंडन' मैथिलीक बहुआयामी लेखनक अर्द्धवार्षिक पत्रिका थिक;जकर सम्पादन किसुन संकल्प लोक,सुपौलसँ केदार कानन कय रहल छथि। प्रारम्भिक समयमे एकर बारह गोट अंक प्रकाशित भेल,दस वर्षक अन्तरालक बाद जनवरी, '17सँ पुन: शुभारम्भ भेल। 'मिथिला मिहिर'मे प्रकाशित 'मिथिलांक'(1936 ई.)क मैथिली भागकेँ 'भारती-मंडन' मार्च,'21क अंकमे छापि बड़ उपकार कयलक। 'नवारम्भ' अजित आजादक सम्पादनमे मधुबनीसँ 2009ई.सँ प्रकाशित भ' रहल अछि,जाहि पत्रिकाक 'सोमदेव विशेषांक' महत्त्वपूर्ण अछि। डा. प्रेमलता मिश्र 'प्रेमक कुशल सम्पादनमे 'सान्ध्य गोष्ठी' सांस्कृतिक-साहित्यिक एवं सामाजिक चेतनाक संवाहक बनल पटनासँ अनियमित रूपेँ छपि रहल अछि। एकर छठम पुष्प (2014 ई.) स्त्री-विमर्श विशेषांक,नवम पुष्प ('17 ई.)व्यासजीक जन्म-शताब्दी विशेषांक,बारहम पुष्प ('20ई.)उषा किरण खान विशेषांक एवं तेरहम पुष्प ('22 ई.) श्रद्धांजलि- विशेषांक रूपमे अत्यधिक प्रशंसनीय छनि।

'तीरभुक्ति' अखिल भारतीय मिथिला संघ,दिल्लीक शोध पत्रिका थिक, जे त्रैमासिक रूपेँ जनवरी,18सँ विनीत कुमार झा 'उत्पल' एवं ऋतेश पाठकक संयुक्त सम्पादनमे प्रकाशित भ' रहल अछि।एकर गद्य,कविता,पुस्तक समीक्षा, अनुवाद,लोक संस्कृतिपर केन्द्रित विशेषांक अत्यधिक उपयोगी ओ संग्रहणीय अछि। 'बाल-बन्धु' मैथिलीक द्वैमासिक बाल पत्रिका थिक,जे अगस्त, '17 मे अजित आजादक सम्पादनमे मधुबनीसँ प्रकाशित भेल। 'सखी-बहिनपा' अजित आजादक सम्पादकत्त्वमे जनवरी,'18सँ द्वैमासिक रूपेँ मधुबनीसँ प्रकाशित भेल,जे महिला लोकनिक लेल विशेष रूप समर्पित रहय। ऋषि

वशिष्ठक सम्पादनमे 'मिथिला सृजन' द्वैमासिक रूपेँ 2010ई.मे मधुबनीसँ प्रारम्भ भ' आठ-नओ वर्ष धरि चलि सकल । एकर नवम्बर,'17क अंक अजित आजादक सम्पादकत्त्वमे रहय ।'अंतिका' गौरीनाथक सम्पादनमे दिल्लीसँ बहार भेल,जे आब त्रैमासिक रूपेँ अनलकान्तक सम्पादनमे गाजियाबादसँ छपैए। 'लहरि'क सम्पादक नरेन्द्र झा छथि,जे 2019 ई.सँ त्रैमासिक रूपेँ राँचीसँ छपि रहल अछि। विश्वम्भर फाउण्डेशन द्वारा प्रकाशित एहि पत्रिकाक आलेखसभ उच्च कोटिक रहैत अछि। 'मिथिला मिरर' नवम्बर,'17मे मासिक रूपेँ दिल्लीसँ प्रकाशित भेल,ललित नारायण झाक सम्पादनमे । 'मैथिल दीया' अर्द्धवार्षिक रूपेँ जुलाइ,'20सँ देहाती साहित्यिक परिषद्, बनैली(पूर्णियाँ)सँ प्रकाशित भेल,जाहि पत्रिकाक सम्पादक अतुल मल्लिक 'अनजान' रहथि।

'कोशी- सन्देश'क प्रधान सम्पादक गिरिजानन्द झा 'अर्द्धनारीश्वर'छथि,जे द्वैमासिक रूपेँ दिल्लीसँ छपि रहल अछि। मिथिलांचलक आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,शैक्षणिक,राजनीतिक समस्या आ' तकर समाधानपर गवेषणात्मक आलेख एहिमे रहैए। 2014 ई.सँ ई प्रकाशित भ' रहल अछि,जकर 'डा. इन्द्रकान्त झा विशेषांक' (2018 ई.) संग्रहणीय अछि।'वाची' त्रैमासिक रूपेँ अप्रैल-जून,2021सँ भोपालसँ निकलि रहल अछि,दीपा मिश्रक सम्पादनमे । ओना प्रवेशांकमे दीपा मिश्र सम्पादक मण्डलमे रहथि आ' डा.नीरा मिश्र मुख्य सम्पादकक रूपमे। स्वतंत्र नारी चेतनाक संवाहिका बनल 'वाची' मिथिलाक साहित्यिक,सांस्कृतिक ओ सामाजिक परिप्रेक्ष्यमे उत्तम कोटिक आलेखक संग महिला सशक्तिकरणक विलक्षण दृष्टान्त थिक। 'अनुप्रास' आकर्षक ढंगसँ मधुबनी मे दिसम्बर,'19सँ प्रकाशित भ' रहल अछि,जकर सम्पादक दीप नारायण विद्यार्थी छथि। एकर आलेख उच्च कोटिक रहैत साहित्यक श्रीवृद्धि क' रहल अछि। 'मिथिला मिलन' मासिक पत्रिका फरबरी, '22सँ डा.चन्द्रमोहन झाक सम्पादनमे ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)सँ छपि रहल अछि। 'उपमान' जुलाइ,'22सँ त्रैमासिक रूपेँ प्रकाशित भ' रहल अछि,जकर सम्पादक कमल मोहन चुन्नू छथि। पटनासँ प्रकाशित एहि पत्रिकाक आलेखसभ प्रशंसनीय रहैत अछि। 'मिथिला समाज' द्वैमासिक पत्रिका जनवरी,'22सँ राजीव कुमार झा 'एकान्त'क सम्पादनमे प्रकाशित भेल।

'मिथिला आवाज' सी.एम. जे.कम्युनिकेशन प्रा.लि. द्वारा दरभंगासँ दैनिक समाचार पत्रक रूपमे प्रकाशित भेल रहय,जकर सम्पादक डा.चन्द्रमोहन झा रहथि। पुनः इएह अखबार पाक्षिक रूपमे ग्रेटर नोएडासँ हिनके सम्पादनमे फरबरी (15-28 फरवरी),'22सँ छपि रहल अछि।'मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश' 26 दिसम्बर,'21सँ दैनिक समाचार पत्रक रूपमे अजयनाथ धैर्यनाथ झाक सम्पादनमे सागरपुर

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

(सकरी,मधुबनी)सँ छपि रहल अछि। टटका समाचारक संग खेलकूद,सिनेमा,राजनीतिक सरगर्मी, मिथिलाक्षरक अभ्यास-प्रशिक्षण आदिक संग साहित्यक विभिन्न विधापरक आलेखसँ युक्त ई दैनिक पत्र स्वतः पाठककेँ आकृष्ट करैछ। एकर 'ई पेपर' पर्याप्त पाठक पढ़ि लाभान्वित होयबाक संग गौरवान्वित भ' रहल छथि। सर्वविदित अछि जे भाषाक उत्थान लेल दैनिकक अनिवार्यता अक्षुण्ण अछि,एकर निरन्तरता देखि हमरालोकनि आशान्वित छी । 'समदिया मिथिला' दैनिक समाचारपत्र पटना आ' राँचीसँ एक संग प्रकाशित भ' रहल अछि,जकर सम्पादक मोअज्जिम हैदरी छथि।

मैथिली पत्र-पत्रिकाक विकासमे विश्वविद्यालय सभक शोधपत्रिकाक सेहो महत्त्वपूर्ण स्थान अछि।'मैथिली' विश्वविद्यालय मैथिली विभाग [ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालय]क शोधपत्रिका थिक। एकर प्रवेशांक दिसम्बर,1996मे प्रकाशित भेल,जकर मुख्य सम्पादक डा.अमरनाथ झा रहथि। सुरेन्द्र झा 'सुमन',जयमन्त मिश्र, उमानाथ झा,शंकर कुमार झा,देवेन्द्र झा, उषाकर झा,लेखनाथ मिश्र,प्रेम शंकर सिंह,शशिनाथ झा,विश्वेश्वर मिश्र,सुरेश्वर झा,भीमनाथ झा आदि उन्नैस गोट यशस्वी विद्वानक आलेख एहि अंकमे सन्निहित अछि।एकर बाद 'मैथिली'क प्रकाशन ठमकि गेल,पुन: 2007 ई.सँ लगातार निकलि रहल अछि आ' कालक्रमे डा. नीता झा,डा.जटेश्वर झा'जटिल',डा.वीणा ठाकुर,डा.धीरेन्द्रनाथ मिश्र,डा.रमण झा, डा.प्रीती झा आ' डा.रमेश झा एकर सम्पादक रहि सत्रहम अंक धरि प्रकाशित कराय चुकल छथि।'शोधार्थी' तिलका माँझी विश्वविद्यालय,भागलपुरक मैथिली विभागक शोधपत्रिका थिक,जकर प्रवेशांक 2011 ई.मे डा.केष्कर ठाकुरक कुशल सम्पादनमे प्रकाशित भेल आ' '17 ई. धरि छओ अंक हिनके सम्पादकत्त्वमे छपि चुकल अछि,जे गुणवत्ताक दृष्टिएँ उत्तम कोटिक मानल जाइछ। 'अमृताक्षर' मैथिली विकास कोष,पटना विश्वविद्यालयक शोध पत्रिका थिक,जकर पहिल अंक 2019 ई.मे डा.सत्य नारायण मेहताक सम्पादनमे बहार भेल। डा. इन्द्रकान्त झा,डा.इन्दिरा झा,डा.अरुणा चौधरी,डा.विजयेन्द्र झा,डा.अरुण कुमार ठाकुर,डा.अजीत मिश्र,डा.चकधर ठाकुर आदि बीस गोट लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकारक आलेख एहिमे प्रकाशित छनि। 'कोसा' मैथिली विभाग,ल.ना.तिरहुत महाविद्यालय, मुजफ्फरपुरक शोधपत्रिका थिक,जकर प्रकाशन 2020 ई.सँ प्रो. इन्दुधर झा आ' डा.विजयेन्द्र झाक संयुक्त सम्पादनमे भ' रहल अछि। ई पत्रिका वर्तमान शताब्दीक साहित्यिक गतिविधिक मूल्यांकन करैत अछि। एहि क्रममे प्रवेशांकमे कथा विषयक तैंतालीस, '21ई.मे काव्य विषयक पैंतालीस तथा 2022-'23 ई.क संयुक्तांक मे उनचालीस गोट

समालोचना-साहित्यसँ सम्बद्ध विशिष्ट शोध आलेख अछि। 2022-'23 ई.क अंकसँ एकर सम्पादक मण्डलमे प्रो. देवेन्द्र झा, डा. अरविन्द कुमार सिंह झा, डा. सुरेन्द्र भारद्वाज,डा. कुमारी सन्ध्या आदि सेहो छथि।

विभिन्न स्मारिका द्वारा मैथिली साहित्यक श्रीवृद्धि भ' रहल अछि। यद्यपि एकरा पत्रिका नहि मानि सकैत छी, मुदा साहित्यक सम्बर्द्धनमे महत्त्वपूर्ण योगदान छैक।एहि दृष्टिएँ स्मारिका (विद्यापति पर्व समारोह,चेतना समिति, पटना),स्मारिका (सरिसव-पाहीक अधिवेशन),अर्पण (मिथिला विभूति पर्व समारोह,विद्यापति सेवा संस्थान, दरभंगा),संकल्प(संकल्प लोक, लहेरियासराय), देसिल बयना (विद्यापति स्मृति गोष्ठी,मैथिली साहित्य मंच, हैदराबाद- सिकन्दराबाद),अरुणिमा (मैथिली साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति,मधुबनी),महाकवि पण्डित लालदास स्मारिका(खड़ौआ,मधुबनी),अयाची- शंकर (अयाची डीह विकास समिति, सरिसव-पाही),प्रवासी (मिथिला सांस्कृतिक परिषद्,हैदराबाद),उद्यान किरण (किरण मैथिली साहित्य शोध संस्थान, धर्मपुर), भंगिमा (मैथिली रंगमंच, पटना), पक्षधर (राँची), समय संकेत (अखिल भारतीय मिथिला संघ),अरिपन (नाट्य संस्था,पटना),जानकी(मैथिली महिला संघ, पटना) आदिक उल्लेख क' सकैत छी।

एकर अतिरिक्त 'स्वदेश', 'आखर', 'मिथिला','सोनामाटि', 'स्वदेशवाणी','लाल धूआँ,'आहुति', 'मिथिला भूमि,'चिनगी','सन्निपात','परिषद् पत्रिका', 'कुशल-क्षेम','समिधा', 'आँखि-पाँखि, 'मैलोरंग', 'प्रतिमान','धार' 'भोरुकबा','जानकी'आदि पत्रिकासेहो मैथिली पत्रकारिताक विकासमे महत्त्वपूर्ण स्थान रखैत अछि। ई-जर्नल 'विदेह' द्वारासेहो अत्यधिक प्रशंसित काज भ' रहल अछि, जे 2004 ई.सँ गजेन्द्र ठाकुरक सम्पादनमे 'ऑनलाइन' पाक्षिक संस्करण निकलि रहल अछि। एकर किछु अंक मुद्रित रूपमे सेहो प्रकाशित छैक,तथापि साहित्यक श्रीवृद्धिमे नीक जकाँ लागल अछि। हस्तलिखित फोल्डर मासिक पत्रिका 'साहित्यिकी' (सरिसव-पाही)क उल्लेख करब सेहो आवश्यक,जे फरबरी,'95सँ यज्ञदत्त [डा.जगदीश मिश्र]क सम्पादनमे निकलैत रहल। एकर लोकप्रियता आ' प्रयास निश्चित रूपेँ प्रशंसनीय थिक। हम अपन आलेखमे दीर्घाकार होयबाक भयसँ पत्रिका सभपर विस्तारसँ नहि लिखि मात्र सुधी पाठककेँ एकर नामोल्लेखसँ अवगत करयबाक प्रयास कयने छी।

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

वास्तव मे मैथिली पत्र-पत्रिका अपन अस्तित्त्व उजागर करबामे नीकजकाँ सफल भेल अछि,जकर तुलना कोनहुँ भारतीय भाषाक संग कय सकैत छी। 'कान तँ सोन नहि,सोन तँ कान नहि' लोकोक्ति मैथिली पत्रकारिताक क्षेत्रमे चरितार्थ होइछ। जतय पूर्ण सफल पत्रकारक सम्भावना, ओतय पत्रिका बहार करबाक साधन उपलब्ध नहि आओर जाहि ठाम कोनो तरहेँ साधन जुटैत अछि, ओतय पत्रकारकेँ पत्रकारिताक विशेष अवगति नहि। तेँ पत्रकारिताकेँ स्वस्थ ओ सबल गति देब अपेक्षित। [4]

भोजन, वस्त्र आ'आवास जकाँ पत्र-पत्रिकासेहो जीवनक अनिवार्य आवश्यकता अछि। परन्तु मैथिलीक पत्रिका कीनिकेँ पढबाक प्रेरणा किछुए व्यक्तिमे निहित छनि,जकर सुधार करब हमरालोकनिक पुनीत कर्त्तव्य थिक आ' तखन बिक्रीक अभाव दूर भ' गेलापर मैथिली दोसर भाषाक समकक्ष स्वतः आओत। मैथिली पढ़निहारक संख्या बहुत अछि, मुदा कीनिकेँ पत्रिका पढ़निहार अवस्से कम छथि। मैथिली पत्रिकाकेँ एखनहुँ उत्साहक आवश्यकता छैक ।

सन्दर्भ संकेत :

1. मिश्र 'अमर' चन्द्रनाथ,1981 ई. मैथिली पत्रकारिताक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना, पृष्ठ-18,

2.चौधरी शरदिन्दु, 2012ई. मैथिली पत्रकारिता दशा ओ दिशा, शेखर प्रकाशन, पटना; पृष्ठ-3.

3.मिथिला मिहिर (दैनिक),पटना - 20 फरबरी,1985

4. मिथिला मिहिर(साप्ताहिक), पटना- 9 दिसम्बर, 1973. आलेख- श्री पराशर, पृष्ठ - 25.

------------×-----------